वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 207 | मंगलवार 22 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदर्शन कर रहे नर्सेज की पुलिस से झड़प, 8 लोगों को लिया हिरासत में

जयपुर. कासं। प्रदेश में नर्सिंग कर्मचारियों की भर्ती करने और पद बढ़ाने की मांग को लेकर संविदा नर्सेज एसोसिएशन के कर्मचारियों ने टोंक रोड पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से मामूली झड़प भी हुई, जिसके बाद पुलिस ने 8 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। दरअसल 1289 नर्सेज

ऑफिसर और 3940 नर्सिंग कर्मचारियों की भर्ती का प्रस्ताव वित्त विभाग में अटका है। इस प्रस्ताव को जल्द से जल्द पास करने और इन पदों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए आज संविदा पर काम कर रहे नर्सिंग कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। जयपुर में टोंक रोड पर नेहरू उद्यान से स्वास्थ्य भवन तक पैदल मार्च निकलने के दौरान जब प्रदर्शनकारी रामबाग चौराहे पर पहुंचे तो उन्हें पुलिस फोर्स ने उनको रोक लिया। पैदल मार्च को रोकने से गुस्साएं प्रदर्शनकारियों की पुलिस के जवानों की मामली झड़प भी हुई। इस दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

दुर्लभ बीमारी की दवाईयां नहीं मिलने से मरीज परेशान

जयपुर. कासं। जयपुर के जेके लॉन हॉस्पिटल में दुर्लभ गंभीर बीमारियों से झूझ रहे बच्चों के परिजनों ने हॉस्पिटल सुप्रीडेंट से इलाज के लिए दवाईयां उपलब्ध करवाने की मांग की। हॉस्पिटल में जिन 14 बच्चों का इलाज चल रहा है, वे स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी नाम की बीमारी से ग्रसित है। इस बीमारी के इलाज में मरीज को 6 लाख रुपए से लेकर एक करोड़ रुपए की कीमत तक के इंजेक्शन लगते हैं। हॉस्पिटल सुप्रीडेंट डॉ. आर.के. गुप्ता ने बताया कि इस बीमारी के लिए सरकार के निर्देश पर हॉस्पिटल से करीब 1 करोड़ रुपए और अलग-अलग कंपनियों के क्राउड फंड से 13 लाख रुपए उपलब्ध करवा दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस दुर्लभ बीमारी से ग्रसित हॉस्पिटल में 14 बच्चों का इलाज चल रहा है और एक मरीज के इलाज पर 75 लाख से 1 करोड़ रुपए तक का खर्चा आता है। इनमें से कुछ मरीज ऐसे है जिनके इलाज का खर्चा एक करोड़ रुपए से भी कहीं ज्यादा आएगा।

लेखापरीक्षा सप्ताह का उद्घाटन समारोह आयोजित

कमियों को रेखांकित करने के साथ ही काम-काज को प्रभावी बनाने का माध्यम भी बने लेखा परीक्षा: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने लेखा परीक्षा के कार्य को और बेहतर बनाने एवं इसमें अधिकाधिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया है। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्टेच्यू सर्किल स्थित महालेखाकार कार्यालय में लेखापरीक्षा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों पर व्यय होने वाले धन की निगरानी का दायित्व नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारियों पर ही होता है। लेखा परीक्षा का उद्देश्य सार्वजनिक धन का प्रभावपूर्ण एवं कुशलता से संग्रहण एवं उपयोग सुनिश्चित करते हुए सुशासन को प्रोत्साहन देना और देश के विकास में अधिकाधिक योगदान देना है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए महालेखाकार कार्यालय द्वारा लेखापरीक्षा के दौरान सरकार की कमियों को रेखांकित करने के साथ ही काम-काज को और अधिक प्रभावी बनाने एवं गुणवत्ता में सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये जाएं। राज्यपाल ने कहा कि लेखा परीक्षक राजकीय धन के समुचित उपयोग की निगरानी से जुड़े लोकतंत्र के पहरूए हैं। जनता के धन का सही मायने में समुचित उपयोग हो, यह लेखा परीक्षा द्वारा ही सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता रहने पर ही समाज में समान रूप से सभी का विकास प्रभावी रूप में संभव है, इसलिए सार्वजनिक धन के संग्रहण और उपयोग की प्रभावी लेखापरीक्षा आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। राज्यपाल मिश्र ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राज्य विधानमंडल को प्रतिवर्ष समयानुसार लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यों में बढ़ते डिजिटाइजेशन को देखते हुए लेखापरीक्षा द्वारा भी अपनी प्रक्रियाओं को अद्यतन किया गया है। उन्होंने लेखापरीक्षा द्वारा ''ई-वे बिल प्रणाली'' का मूल्यांकन किये जाने को महत्वपूर्ण बताया।

MNIT में तकनीशियनों का अनिश्चितकालीन धरना जारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में DPC-2019 में तकनीशियनों की पदौन्नति में हुई अनियमितताओं को दूर करने को लेकर 14 नवम्बर से जारी अनिश्चितकालीन सोमावर को 8 वे दिन भी जारी रहा जिसमें पीड़ित कर्मचारियों के समर्थन में संघ द्वारा सभी कर्मचारियों का आह्वान किया गया। आह्वान पर समस्त कर्मचारी, पीड़ित कर्मचारियों के समर्थन में धरने में शामिल हुए तथा सभी कर्मचारियों ने प्रशासन के विरुद्ध अपना गुस्सा जाहिर किया। संघ अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, नन्दलाल कुमावत, जेपी सिंह, संजय टेलर आदि लोगों ने सभा को संबोधित किया। सभा के बाद सभी कर्मचारियों ने पीड़ित कर्मचारियों के समर्थन में प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए पूरे संस्थान में रैली निकाली और अपना विरोध प्रकट किया। इस विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने वार्ता की पहल की, इसमें संघ पदाधिकारियों तथा पीड़ितों के प्रतिनिधियों के मध्य वार्ता हुई जोकि विफल रही। प्रशासन अपने उसी पुराने ढर्रे पर अड़ा रहा कि हम पर विश्वास करो सब ठीक हो जाएगा जिसको पीड़ितों ने तथा संघ पदाधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया और आंदोलन को और तेजी से आगे बढ़ाने पर विचार किया।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने मनाया सात दिवसीय सेवा सप्ताह

किये 25 लाख रुपये से अधिक के सेवा कार्य। कच्ची बस्ती के बच्चों के साथ मनाया समापन समारोह।

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा सेवा सप्ताह 14 नवम्बर से 20 नवम्बर तक मनाया गया। क्लब अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने बताया की क्लब द्वारा इस सात दिवसीय सेवा सप्ताह में पीड़ित मानवता की सेवा में 25 लाख रू के सेवा कार्य क्लब द्वारा सात स्थानों पर किए गये। सेवा सप्ताह का आगाज 14 नवम्बर कों बाल दिवस के दिन किया गया। क्लब अध्यक्ष रवींद्र नाथ ने बताया की सेवा सप्ताह का पहला दिन 14 नवम्बर को दिशा फाउण्डेशन,निर्माण नगर में मनाया गया। यह संस्था ऐसे बच्चों की देखभाल करती है एवं शिक्षा प्रदान करती है जो कि असाधारण प्रतिभा के धनी होते हुये भी हम लोगों की तरह सामान्य जीवन व्यतीत नहीं कर रहे हैं। सेवा सप्ताह के चेयरमैन प्रमोद जैन ने बताया की दिशा संस्थान को करीब 2.55 लाख की सहायता की गई। सेवा सप्ताह के कॉर्डिनेटर दिनेश बज ने बताया की सेवा सप्ताह के दूसरे दिन 15 नवम्बर को क्लब द्वारा सेवा कार्य राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संस्थान गणगौरी बाजार में किया गया। क्लब के सदस्यों ने नेत्रहीन लोगों के जीवन से जुड़ी समस्याओं के बारे में जाना और जाना कि बिना आंखों के कैसे यह लोग अपना जीवन व्यतीत करते हैं। क्लब द्वारा संस्थान को करीब 3.00 लाख की सहायता की गई। क्लब सचिव बी पी मुंद्रा ने बताया की रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सेवा सप्ताह के तीसरे दिन आज 16 नवम्बर को सेवा कार्य श्री भगवान महावीर कल्याण सहायता समिति एवं राजस्थन जनमंच पक्षी चिकित्सालय में किया गया। क्लब के करीब 125 सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया एवं जाना कि कैसे विकलांगता जैसी समस्या को दूर करने के लिये यह संस्थान पिछले कई वर्षों से कार्यरत है एवं उसकी मदद से लाखों लोगों को विकलांगता की समस्या से

निजात मिली और वह अब एक सामान्य जीवन जी रहे हैं। साथ ही जनमंच पक्षी चिकित्सालय में जाकर देखा की हमारी तरह ही जब पक्षी बीमार होते हैं, दुघर्टना के शिकार होते हैं तो उन्हें कैसे स्वस्थ किया जाता है। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन ने बताया की क्लब द्वारा श्री भगवान महावीर कल्याण सहायता समिति में 3.25 लाख रुपये की सहायता प्रदान जिसके माध्यम से 50 विकलांगों के लिये जयपुर फुट लगाने में सहायता मिलेगी साथ ही पक्षी चिकित्सालय में पक्षियों के देखाभाल के लिये 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। सेवा सप्ताह के चौथे दिन सेवा कार्य सुरमन संस्थान मे किया गया। सुरमन एक ऐसी संस्था हैं जहां समाज से निराश्रित एवं परित्यक्त बच्चे रहते हैं यह संस्थान इन बच्चों का पालन पोषण करती है शिक्षा प्रदान करती है जिससे कि उन बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सके। यह संस्थान पिछले काफी समय से इस कार्य को कर रही है। क्लब द्वारा सुरमन संस्थान को बच्चों के पालन पोषण व बेहतर भविष्य के लिये करीब 6 लाख रुपये की सहायता प्रदान की। सेवा सप्ताह के पांचवे दिन का सेवा कार्य अपना घर आश्रम (महिला आश्रम) एवं सर्वोदय सैकण्डरी स्कूल में किया गया। क्लब द्वारा अपना घर आश्रम एवं सर्वोदय सैकण्डरी स्कूल में क्लब की तरफ से 3 लाख की सहायता प्रदान की गई। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के सेवा सप्ताह के छठे दिन का सेवा कार्य **Help in Suffering For Animals** में किया गया। क्लब द्वारा करीब 3 लाख की सहायता सामगी सप्रेम भेंट की गई। सेवा सप्ताह के अंतिम दिन रविवार 20 नवम्बर को मनाया गया जिसमें जवाहर नगर कच्ची बस्ती के 80 बच्चों को श्याम नगर स्थित फन फैक्ट्री में लाया गया और क्लब सदस्यों ने उन बच्चों के साथ गेम्स का आनंद लिया उसके बाद बच्चों को स्कूल बैग केक टॉफीस स्टेशनरी आदि उपहार दिए गए उसके पश्चात सेवा सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि जस्टिस दीपक माहेश्वरी और प्रांतीय सचिव नीरज अग्रवाल थे।

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर ने किया यात्रियों का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के 180 से अधिक सदस्यों ने 18 नवम्बर 2022 को शिखरजी पर्वत की वंदना की । यह यात्रा सुबह 1.00 बजे जयकारे के साथ शुरू हुई ओर शाम को 5.00 बजे तक सभी सदस्य वंदना करके वापस आ गए थे। दिनांक 19 नवम्बर को सुबह सभी ग्रुप सदस्यों ने शिखरजी तलहटी मंदिर के दर्शन किया और मुनि श्री प्रमाण सागर जी का आशीर्वाद लिया। रात्रि में भक्ति संध्या का आयोजन गायक सुनील शास्त्री द्वारा किया गया जिसमें ग्रुप सदस्य राजेंद्र बिलाला एवं श्रीमती कविता जैन के मधुर गायन ने भक्ति संध्या में चार चाँद लगा दिये। ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा ने शिखरजी यात्रा के मुख्य सयोजक दिपेश छाबड़ा, सिद्धार्थ पाण्डया एवं सयोजक सुनील गंगवाल, अमित आँधिका, विनीत जैन, नरेंद्र जैन, पंकज जैन, संदीप जैन एवं पुखराज जैन का माला, दुपट्टा एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रवि प्रकाश जैन पूर्व अध्यक्ष एवं राजीव जैन पूर्व अध्यक्ष ने यात्रा करने वाले सभी सदस्यों का स्वागत किया। महानगर ग्रुप ने पहली बार शिखरजी की वंदना करने वाले 30 से अधिक महिला, पुरुष एवं बच्चो का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं पहली बार वंदना की अनुमोदना की। ग्रुप सचिव अनुज जैन द्वारा सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

24 वर्ष के बाद होगा श्री महावीर जी के भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक महोत्सव

24 नवम्बर से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं 27 नवम्बर से महामस्तकाभिषेक। पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु होंगे शामिल।

गुरुवार, 24 नवम्बर को मुख्यमंत्री करेंगे ध्वजारोहण से शुभारंभ

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

21 वीं सदी का भगवान महावीर का प्रथम महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अन्तर्गत भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव गुरुवार, 24 नवम्बर से करौली जिले के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में विशाल स्तर पर शुरू होगा। वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में होने वाले इस महामहोत्सव का राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ध्वजारोहण कर शुभारंभ करेंगे। 24 नवम्बर से 4 दिसंबर तक चलने वाले इस महामहोत्सव में जयपुर सहित पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। प्रबंधकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अन्तर्गत गठित भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि 24 से 28 नवम्बर तक आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा सहित परिकरयुक्त चौबीसी एवं कमल मंदिर की नवग्रह अरिष्ट निवारक जिनालय की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा होगी। प्रतिष्ठाचार्य संहितासूरी पं.हसमुख जैन धरियावद के निर्देशन में आयोजित इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में गुरुवार 24 नवम्बर को ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रातः कटला प्रांगण से विशाल घटयात्रा जुलूस निकाला जाएगा जो पाण्डाल में जाकर समाप्त होगा। मण्डप उदघाटन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, मंगलकलश स्थापना के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रातः 11.35 बजे मुख्य ध्वजारोहण से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। इस मौके पर काफी टेबल बुक एवं महामस्तकाभिषेक स्मारिका का विमोचन मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। इस मौके पर उद्योग एवं देव स्थान मंत्री शकुन्तला रावत सहित कई राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित रहेंगे। शुक्रवार,25 नवम्बर को जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। शनिवार,26 नवम्बर को तप कल्याणक महोत्सव, रविवार,27 नवम्बर को केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव तथा सोमवार,28 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा 'के मुताबिक दोपहर में भगवान महावीर की खडगासन प्रतिमा एवं चौबीसी प्रतिमाओं का मस्तकाभिषेक होगा। प्रतिदिन प्रातः 9.00 बजे आचार्य श्री के मंगल आशीर्वचन होंगे। सायंकाल महाआरती, शास्त्र सभा के बाद रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव की तैयारियां जोरों से चल रही है। विशाल पाण्डाल बनाया जा रहा है।पूरे मंदिर परिसर सहित महावीर जी क्षेत्र को सजाया जा रहा है। भगवान महावीर एवं क्षेत्र के सम्बन्ध में प्रदर्शनी लगाई जा रही है। राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का पूरा सहयोग महोत्सव एवं श्री महावीर जी के विकास में मिल रहा है। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के गौरवशाली पात्रों में भगवान के माता पिता का पुण्यार्जन किरण देवी -राजकुमार सेठी, सौधर्म इन्द्र रोहन-अमिता कटारिया, चक्रवर्ती राजा सुरेश -शान्ता पाटनी, धनपति कुबेर दीपक- विनिता सेठी, यज्ञनायक श्रीपाल -कुसुम चूड़ीवाल, ईशान इन्द्र राजेश -विमला शाह,सनत कुमार इन्द्र पवन -प्रीति गोधा, माहेन्द्र इन्द्र तीर्थेश -प्रियंका छाबड़ा,राजा श्रेणिक अंकित -नैना पाटनी, ब्रह्म इन्द्र महेन्द्र कुमार -अंजना धाकडा, ब्रह्मेत्तर इन्द्र अनिल -अंजना जैन ने प्राप्त किया है।

आचार्य इंद्र नंदी जी ने कहा...

जिस मनुष्य के नियम, संयम,धर्म नहीं है वह मनुष्य पशु के समान

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी फागी में आचार्य 108 श्री इद्रनंदी जी महाराज, मुनि 108 श्री क्षमानंदी जी महाराज के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई। आचार्य श्री इद्रनंदी जी महाराज ने धर्म सभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते बताया कि जिस मनुष्य के नियम, संयम, धर्म, नहीं है वह मनुष्य पशु के समान है ,यदि मानव जीवन में सच्चा सुख चाहते हो तो काम, क्रोध, मद, लोभ,कषाय,रुपी राक्षसों से दूर कर मनुष्य जीवन जीना चाहिए। इस अवसर पर समाज के सोहन लाल झंडा, कैलाश पंसारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, पं. संतोष बजाज,फागी पंचायत समिति पूर्व प्रधान महावीर जैन, सुकुमार झंडा, शिखर मोदी,पवन कागला, महेंद्र बावड़ी, अनिल कठमाणा, शिखर पीपलू, कमलेश धाबडधींगा,शिखर कठमाणा, उत्तम बावड़ी,त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबू गोधा सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे। कार्यक्रम समापन बाद आचार्य श्री ने सभी भक्तजनों को मंगलमय आशीर्वाद दिया।

वेद ज्ञान

जीवन में रिश्तों का महत्व

रिश्तों में अपनेपन की भावना की खातिर ही व्यक्ति एक-दूसरे पर मर-मिटने तक को तैयार हो जाते हैं। एक मां के अंदर प्रारंभ से ही अपने बच्चे के प्रति बेहद अपनेपन की भावना कायम हो जाती है। उसे अपना बच्चा सारी दुनिया से प्रिय व सुंदर लगता है। मनोवैज्ञानिक पीटर एम. नार्डी भी यह मानते हैं कि अकेले व्यक्ति को भौतिक, भावनात्मक, मानसिक व आर्थिक सहयोग नहीं मिल पाता। करीबी रिश्तेदारों से व्यक्ति अक्सर अपने मन की वे सभी बातें करते हैं जिन्हें वे अन्य व्यक्तियों से नहीं कर सकते। रिश्तेदार व परिवार व्यक्ति के बुरे समय में साथ खड़े होते हैं। ऐसे में एक अकेले व्यक्ति की पीड़ा पूरे परिवार व रिश्तेदारों की पीड़ा बन जाती है। वे एकजुट होकर मुसीबत से लड़ते हैं और मुसीबत को दूर भगाकर कामयाबी पाते हैं। कैलिफोर्निया के एक प्रांत में हुए एक शोध के अनुसार जिन लोगों का पारिवारिक या सामाजिक जुड़ाव कम होता है उनमें दिल की बीमारियों और रक्त संचरण की समस्याओं के खतरे बढ़ जाते हैं। वहीं जिन लोगों के दोस्त और पारिवारिक बंधन मजबूत होते हैं वे जल्दी-जल्दी बीमार नहीं होते। उनका स्वास्थ्य अच्छा होता है और आयु भी लंबी होती है। दोस्त, रिश्तेदार और परिवार दवा भी बन जाए, इसके लिए व्यक्ति को प्रेम, दुआ, विनम्रता और मदद का मार्ग पकड़ लेना चाहिए। इससे ये बंधन मजबूत होकर जीवन को सशक्त, रोगहीन और सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मनुष्य जीवन रिश्तों से जुड़ा हुआ है। रिश्तों के कारण ही मनुष्य जीवन में आगे बढ़ने की, सफलता पाने की, शिक्षित होने की, कार्य करने की इच्छा रखता है। यदि रिश्ते मधुर हों तो जीवन सुखमय व खुशहाल बन जाता है, किंतु रिश्तों में खटास आते ही व्यक्ति भी टूट जाता है। रिश्ता आखिर बिगड़ता क्यों है? इसके पीछे व्यक्ति का अहं, सोच व उसका व्यवहार ही जिम्मेदार होता है। मशहूर स्पीच थेरेपिस्ट बिल वाल्टन का मानना है कि रिश्तों को बिगाड़ने में 50 फीसद से ज्यादा कारण असंयमित भाषा होती है। अध्यात्म और शांति के साथ कार्य करने वाले व्यक्तियों के रिश्ते बेहद सफल होते हैं। रिश्ते निभाना भी समझौतों का ही दूसरा नाम है।

संपादकीय

खोखला करता मतांतरण...

कई बार प्रत्यक्ष आंतरिक संकट मूर्तिमान रूप में दिखाई नहीं पड़ते, किंतु असंतोष, विरोध, भ्रष्टाचार, कदाचार आदि के रूप में समाज में व्याप्त रहते हैं और समयानुसार अपना वीभत्स रूप राष्ट्र के संकट के रूप में दिखाते रहते हैं। इसलिए बौद्धिक या भावनात्मक रूप में विद्यमान इन राष्ट्रीय संकटों का निदान शासन द्वारा होते रहना चाहिए। इस दिशा में शिक्षा और संस्कारों की भी बहुत भूमिका होती है। भारत पर अतीत में जितने भी विदेशी आक्रमण हुए, उनका यदि ठीक से विश्लेषण किया जाए तो समझ में आता है कि हमारी आपसी कलह से छिन्न-भिन्न और जर्जर जीवन ही उन आक्रमणों का आधार बना। इन आक्रमणों के दौरान भारतीय जनता का जो

इस्लामीकरण हुआ, वही विभाजन का आधार बना। आज इस्लाम के साथ ईसाइयत का जिन इरादों के साथ प्रसार हो रहा है, वह भी देश के लिए खतरा बन रहा है। छल-कपट से कराया जा रहा मतांतरण एक बहुत बड़ा संकट है राष्ट्र की सुरक्षा के लिए। पंथ परिवर्तन मात्र से किसी की मानसिकता या हृदय परिवर्तन नहीं हो सकता, परंतु भारत में मतांतरण जिस इरादे से हो रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि यह एक अनुचित और अवांछनीय गतिविधि है। आम तौर पर पंथ परिवर्तन गंभीर दार्शनिक या आध्यात्मिक चिंतन का परिणाम नहीं होता, बल्कि वह गरीबी, अज्ञानता और निरक्षरता के अनुचित लाभ का नतीजा होता है। इसका उदाहरण पग-पग पर दिखाई पड़ता है। आदिवासी क्षेत्रों में कुछ समूहों की निर्धनता, निरक्षरता का लाभ उठाते हुए उनका मतांतरण चोरी चुपके करा दिया जाता है। ऐसे लोग गले में उस पंथ का प्रतीक चिन्ह लटकाए, परंतु हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों आदि को यथावत मनाते हुए मिल जाएंगे। लोभवश मतांतरण करने से परंपराएं और संस्कार नहीं समाप्त किए जा सकते, लेकिन समय के साथ उन पर असर पड़ता है और विशेष रूप से मतांतरित परिवारों की दूसरी-तीसरी पीढ़ी के लोगों में। किसी के भोलेपन और अज्ञानता का अनुचित लाभ उठाकर पंथ परिवर्तन करने वालों पर कठोर प्रतिबंध लगना ही चाहिए। मतांतरण की कुचेष्टाओं के अंकुर इसलिए नष्ट नहीं हो पाते, क्योंकि हमारे अधिकांश दलों को केवल चुनाव से मतलब होता है। इसके लिए वे जनता के उन वर्गों का तुष्टीकरण करते हैं, जिनके पास ठोस संख्या बल होता है अथवा जो वोट बैंक के रूप में जाने जाते हैं। मतांतरण के जरिये भारतीय संस्कृति पर भी आघात किया जाता है और वह भी सेवा, परोपकार एवं मानव उद्धार के खोखले नारों के पीछे। यह किसी से छिपा नहीं कि जिस तरह इस्लामी समूह अपने तमाम दावा संगठनों के जरिये गुपचुप रूप से मतांतरण अभियान चलाते हैं, उसी तरह ईसाई मिशनरियां भी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

खूब परदा है...

प्रधानमंत्री विदेश में प्रवासी भारतीयों से मिलते समय कई अहम भाषण देते हैं। ऐसा पिछले सप्ताह बाली में हुआ, जहां मोदीजी गए थे उस जी-20 सम्मेलन में भाग लेने, जहां इकट्ठा होते हैं विश्व के सबसे बड़े राजनेता, विश्व के बड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए। अपने प्रधानमंत्री ने आला राजनेताओं से भेंट करने के बाद इंडोनेशिया में रहनेवाले भारतीयों को संबोधित किया और हमेशा की तरह खूब जोश दिखा लोगों में। जब प्रधानमंत्री ने पूछा कि 2014 के बाद सबसे बड़ा परिवर्तन भारत में कौन-सा आया है, तो जवाब ह्यमोदी, मोदी, मोदीह्ण की गूंज में मिला। प्रधानमंत्री इस जवाब से खुश दिखे, लेकिन मुस्कुरा कर कहा कि जवाब गलत है। सबसे बड़ा परिवर्तन मोदी के आने से नहीं आया है भारत में। सबसे बड़ा परिवर्तन आया है इस बात को लेकर कि भारत की सोच अब बड़ी हो गई है, इसलिए अब बहुत बड़े पैमाने पर विकास के काम होते हैं। छोटी सोच रखते ही नहीं हैं अब भारत के शासक। इसलिए सरदार पटेल की प्रतिमा का निर्माण तय हुआ, तो विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा बनी। गुजरात में क्रिकेट स्टेडियम बना, तो दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बना है। यानी असली परिवर्तन भारत में आया है, सोच-विचारों में। प्रधानमंत्री ने फिर विस्तार से अपनी बात समझाई। 2014 के बाद बत्तीस करोड़ बैंक खाते खुले हैं। तीन करोड़ लोगों को मुफ्त में घर मिले हैं। रही बात कोविड के टीकाकरण की, तो गौरवांवित होते हुए मोदी ने कहा कि भारत में इतने लोगों को टीके लगवाने का काम हुआ है, जो यूरोप और अमेरिका की कुल आबादी से दोगुना है। भारत में विकास इतनी तेजी से हो रहा है अब कि वह दिन दूर नहीं, जब भारत विकसित देशों की श्रेणी में कदम रखेगा। मैंने यह भाषण गौर से सुना और वे तमाम तस्वीरें भी देखीं टीवी और सोशल मीडिया पर, जिसमें मोदी दिखते हैं जो बाइडन और इमैनुअल मैक्रों जैसे नेताओं से बातें करते हुए। प्रधानमंत्री ने खुद अपने ट्विटर हैंडल पर इन तस्वीरों को जारी किया। और कई भक्त-मिजाज पत्रकारों ने ट्वीट करके कहा कि जब दुनिया भारत के प्रधानमंत्री का इतना सम्मान कर सकती है, तो भारतवासी क्यों उनकी आलोचना करते फिरते हैं। वे शायद भूल गए थे चापलूसी करने में कि आलोचक हर लोकतांत्रिक देश में मिलते हैं और जहां आलोचक नहीं मिलते, उन देशों को लोकतांत्रिक नहीं कहा जाता। खैर, इसलिए कि मुझे गिना जाता है मोदी के आलोचकों में, मैं आज खुल कर कह सकती हूं यहां कि मोदी चाहे अपनी सरकार की जितनी मर्जी सफलताएं गिनाएं, सच तो यह है कि कई अति-महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में आज तक वह परिवर्तन नजर नहीं आता, जिसके बिना भारत कभी विकसित देश नहीं माना जाएगा। विकसित और अविकसित देशों में सबसे बड़ा फर्क जो मैंने अपनी आंखों से देखा है, वह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में है। विकसित देशों में शायद ही आपको कोई व्यक्ति मिलेगा जो पढ़ना-लिखना न जानता हो। अविकसित देशों में ऐसा नहीं है। बल्कि वे लोग, जो हमारे देश में सरकारी स्कूलों से पढ़ाई करके निकलते हैं, उनको अक्सर साक्षरता ही हासिल होती है, शिक्षा नहीं। यह ऐसे दौर में है, जब शिक्षित उनको माना जाता है, जो कंप्यूटर की समझ रखते हों। ग्रामीण सरकारी स्कूल बहुत कम हैं, जहां बच्चे अपना काम लैपटाप या आइपैड पर करते हों। कोविड के दौर में यही मुख्य कारण था गांवों में बच्चों की पढ़ाई रुक जाने का। वही पढ़ सके जो आनलाइन पढ़ सकते थे।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने नेत्रहीन बच्चों को गर्म वस्त्र भेंट किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा 21 नवंबर 2022 को सेवा सप्ताह के दौरान ब्लाइंड स्कूल श्डकमें बच्चों को गर्म कपड़े एवं मिठाई वितरित किए। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष अभय गंगवाल,मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी, मुनिया सोगानी, रानू जैन एवं ग्रुप के कई सदस्यगण उपस्थित थे।

कमला नगर जैन मंदिर में हुआ आर्यिकाश्री अर्हश्री माताजी ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया

रविवार को कमलानगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर डी ब्लॉक मे आर्यिका श्री अर्हश्री माताजी ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ चित्र अनावरण एवं दीपप्रज्वलन व मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात सकल दिगंबर कमला नगर जैन समाज ने गुरुमां को श्रीफल एवं शास्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।इसके बाद आर्यिका श्री 105 अर्हं श्रीमाताजी की पुरानी पिच्छी लेने के सौभाग्यशाली प्राप्त प्रदीप जैन ढठउ, कमला नगर,आगरा सपरिवार एवं नई पिच्छिका देने का सौभाग्य प्राप्त किया है। शिखर चंद जैन सिंघई श्रीमती मेघ जैन बुरे वाले, श्रीमती रश्मि गोयल, सुरेश पंड्या, दिनेश जैन, श्रीमती वंदना जैन, अनिल जैन रईस, पवन जैन चांदी वाले, जगदीश जैन एवं समस्त प्रतिमा धारी। दूसरी आर्यिका श्री 105 संस्कृत श्री माता जी की पुरानी पिच्छी लेने के सौभाग्यशाली प्राप्त श्रीमती ममता जैन मनोज जैन बाकलीवाल,कमला नगर, आगरा सपरिवार एवं नई पिच्छिका देने का सौभाग्य श्रीमती सुविणा जैन रईस, सिद्धान्त जैन, अनु जैन पन्ना, अंशुल जैन पन्ना, अनिल जैन FCI, श्रीमती प्रमिला जैन, शिखा जैन,अशेष जैन को प्राप्त कियो तीसरी आर्यिका श्री 105 अर्हन्श्री माता जी की पुरानी पिच्छी लेने के सौभाग्य राकेश जैन बजाज श्रीमती अलका जैन,कमला नगर सपरिवार को प्राप्त हुओ एवं नई पिच्छिका देने का सौभाग्य मुंकुद जैन, निशा जैन,सिद्देश जैन,एकता जैन,शगुन जैन, स्मृति जैन, मोना जैन एवं सलोनी जैन को प्राप्त हुआ।

मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

अपना नजरिया बदल लो सब कुछ बदल जायेगा

युवा वर्ग ने मुनि पुगंव को किए श्री फल भेंट, थूवोनजी पधारने का किया निवेदन

ललितपुर /अशोक नगर. शाबाश इंडिया

कोई भी क्रिया जब जीव करता है तब क्रिया मात्र बंध का कारण नही होती है न कोई भी वस्तु धर्म रूप है या कोई भी अधर्मरूप नही है कोई भी वस्तु अच्छी नहीं है कोई भी वस्तु बुरी नहीं हैं।सबसे ज्यादा पवित्र शक्तिमान है। दीनानाथ है इतने बुरे हो सकते हैं।उनको दुश्मन से भी ज्यादा घृणा कर सकता है।जिनके दर्शन करने के लिए दुनिया तरस रही हैं।एक जीव उनसे घृणा कर रहा हैं ये उसके नजरीया का अन्तर हैं सर्वे शाक्तिमान से परमात्मा से भी लोग घृणा करने लग जाते हैं हमें अपना नजरिया बदलना होगा तो सब कुछ बदल जायेगा सारा खेल हमारे नजरिए या दृष्टि कोण का है उक्त आश्य के उद्गार जिले की सीमा पर स्थित ललितपुर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

ललितपुर से लगे थूवोनजी तीर्थ को आप की प्रतीक्षा है: विजय धुर्रा

ललितपुर से लौटकर जैन युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई ने बताया कि जैन युवा वर्ग का एक प्रतिनिधि मंडल ने युवा वर्ग के संरक्षक विजय धुर्रा के नेतृत्व में मुनिश्री पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज, मुनि श्रीपूज्य सागर जी महाराज , ऐलक श्री धैर्य सागरजी, क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ को श्री फल भेंट किए । इस में अध्यक्ष सुलभ अखाई देवेन्द्र धुर्रा मुनेश विजयपुरा नीरज जैन राहुल वर्तन विट्टू जैन ओम प्रकाश जैन विक्की तारई देवेन्द्र भारिल्य सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट कर मुनि पुगंव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान ओमप्रकाश, देवेन्द्र कुमार,विजय कुमार धुर्रा ने मुनि पुगंव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। वहीं मुनेश विजयपुरा, पवन जैन,सुनील धुर्रा , पीयूष जैन ,रितेश कल्ला सहित अन्य भक्तों ने महा पूजा में के अर्घ समर्पित किए

थूवोनजी वाले बहुत दिनों से इंतजार कर रहे हैं

इस दौरान युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुंगव के सान्निध्य में आसपास के सभी तीर्थ क्षेत्र का उद्धार हो रहा है हम बर्षो से प्रतिक्षा कर रहे हैं हमें भी सेवा का अवसर मिले इस दौरान दाऊ शील चन्द्र अनोरा ने कहा कि थूवोनजी के लिए पूरे क्षेत्र के लोग लोग निरन्तर आ रहें हमें विश्वास है आप लोगों की भक्ति काम आयेगी और आप सब को भी मौका मिलेगा।

डंडे के बल पर किसी से धर्म नहीं करा सकते

इस दौरान मुनिश्री के सान्निध्य में सेरोनजी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के निर्वाचन सम्पन्न हुई ।इस अवसर पर मुनि पुगंव ने कहा कि भक्त के पास शक्ति नही फिर भी यदि वो सब कुछ बेचकर बोली ले ले तो भी ये भाव आयेगा में रोड पर आ जाओ लेकिन दान कर देवें तो दान का फल मिलेगा। धर्म में हम को जबरदस्ती नही करना चाहिए धर्म किसी से डंडे के बल पर नहीं करा सकतें । धर्म के लिए जो कार्य सुधासागर जी की दृष्टी में आ जायें कि ये अच्छा कार्य है तो मेरा भाव ये बोली होने से भाव तो कभी आता है। सच्चागुरु ये भावना भाता है भक्त के पास शक्ति नही फिर भी यदि वो सब कुछ बेचकर बोली ले ले तो भी ये भाव आयेगा में रोड पर आ जाओ लेकिन दान कर देवें।

ताज और तख्त नहीं दिल में शहंशाह की हिम्मत है: मनोज गंगवाल

काव्य गोष्ठी व प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नावा सिटी. शाबाश इंडिया। उपखंड मुख्यालय पर नावां सोशियल सर्विस सोसायटी के तत्वाधान में एक भव्य काव्य गोष्ठी व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को रामेश्वरधाम मंदिर परिसर में रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खारिया ग्राम पंचायत के सरपंच देवीलाल दादरवाल व विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस थाना नावां के आसूचना अधिकारी प्रेम अडानिया शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक गौड़ ने की मंच पर अतिथियों के साथ मकराना से आए क्षेत्र के ख्यातनाम वरिष्ठ कवि कैलाश शर्मा, नावा सोशियल सर्विस सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष लुकमान शाह, संरक्षक सत्यनारायण लढा मौजूद रहे । सर्वप्रथम आए हुए अतिथियों ने मां शारदे के चित्र के सामने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का आगाज किया। सीताराम प्रजापत ने मां सरस्वती की स्वर वंदना प्रस्तुत की। सरस्वती काव्य कला मंच के अध्यक्ष तुलसीराम राजस्थानी ने मंचासीन अतिथियों व बाहर से पधारे हुए कविगण का परिचय कराया व सभी मेहमानों का सोसायटी के पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया। मारोठ के कवि श्रवण गुर्जर ने फौजीयो पर कविता प्रस्तुत की कुचामन के कवि सुरेश वर्मा ने उठे हैं जाम सरेशाम, फिर भी तन्हाई है पंक्तियों से गजल पेश की व खूब वाहवाही लूटी। पलाड़ा से पधारे कवि महेश सोकल ने महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक पर गीत की शानदार प्रस्तुति दी। सीताराम प्रजापत ने श्रद्धा काण्ड पर कविता की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। मकराना की धरती से पधारे कवि कैलाश शर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में हास्य-व्यंग की रचनाओं से सदन को खूब हंसाया और जमकर सराहना पायी। अशोक अटल ने श्रद्धा इज्जत क्या होती है, ये तुमको भान न था कविता की प्रस्तुति दी और वर्तमान परिपेक्ष में हो रही घटनाओं पर जमकर प्रहार किया। कुचामन की धरती से गीतकार दिलीप सिंह शेखावत ने राजस्थानी भाषा में बेटी धीरे-धीरे चाल, उठाजै थाल्यां नै गीत की शानदार प्रस्तुति दी व जमकर तालियां बटोरी। विशिष्ट अतिथि प्रेम अडानिया ने पुलिसकर्मी के जीवन को चरितार्थ करती हुई कविता मैं खाकीदार हूं कविता पेश करके खूब वाहवाही लूटी। कुचामन के कवि लक्ष्मण शर्मा ने विरह रस की कविता कहां छोड़कर चले गए की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। काव्य गोष्ठी का संचालन कर रहे तुलसीराम राजस्थानी ने सामाजिक सरोकार की राजस्थानी भाषा में मावड़ी कांई जमानों आय प्रस्तुत करके सभी का दिल जीत लिया। पत्रकार व कवि मनोज गंगवाल ने ना जाने कब मौत का पैगाम आ जाए, जिंदगी की कब आखरी शाम आ जाए व ताज और तख्त नहीं मगर दिल में शहंशाह की हिम्मत है रचना की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी और तालियां बटोरी तो युवाकवि महावीर शर्मा ने आंगली पकड़ कर थे म्हाने चालबो सिखाया पापा जी पर लिखी कविता की मार्मिक प्रस्तुति दी व खूब सराहना बटोरी। नरेंद्रदेव टेलर व लुकमान शाह ने भी काव्यात्मक प्रस्तुति दी।

स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस पर विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज, मुनि श्री 108 पूज्य सागर जी महाराज, ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से समग्र जैन समाज के युवा कलाकारों की प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के उद्देश्य से श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज, सूरत द्वारा ''विद्या नृत्यांजली-अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता'' का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में सम्पूर्ण विश्व से 500 युवा प्रतिभाओं ने अपनी कला के माध्यम से आचार्य भगवन की भक्ति की है। आयोजक श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज सूरत के अध्यक्ष राजीव भूच ने बताया कि इस प्रतियोगिता को तीन राउंड में किया जाएगा जिसका समापन 11 दिसम्बर को सूरत में किया जाएगा। महामंत्री संजय गदिया ने बताया कि आचार्य स्वर्णिम पदारोहण दिवस 22 नवम्बर की रात्रि 8 बजे ऑनलाइन कौन बनेगा करोड़पति की थीम पर आधारित कौन बनेगा आचार्य भक्त कार्यक्रम किया जाएगा जिसके पश्चात प्रथम क्वाटर

राउण्ड का परिणाम घोषित किया जाएगा,जिसमे सेमी फाइनल राउण्ड के लिए सौ प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा साथ ही उन्होंने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम की समन्वयक श्रीमती शीला डोडिया है तथा सम्पूर्ण कार्यक्रम का निर्देशन अजय जैन मोहनबाड़ी द्वारा किया जा रहा है। कौन बनेगा आचार्य भक्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शालिनी बाकलीवाल कर रही हैं व कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता श्रीमती विनीता जैन हैं।

डिग्गी कल्याण जी में वैष्णव समाज धर्मशाला, जल मन्दिर के लोकार्पण के साथ भामाशाह सम्मान समारोह हुआ आयोजित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

डिग्गी कल्याण जी। डिग्गी कल्याण जी महाराज की पावन धरा पर रविवार को नव निर्मित वैष्णव समाज धर्मशाला में भामाशाह रामस्वरूप, चांदा देवी वैष्णव किशनगढ़ (ठेकेदार) परिवार की तरफ से बने नवनिर्मित हॉल व समाज द्वारा बनवाए गये एक अन्य हॉल के साथ मे जल सेवा समिति की तरफ से धर्मशाला परिसर में ही निर्मित जल मन्दिर का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों आये समाज के भामाशाहों ने दिल खोलकर धर्मशाला में कमरे निर्माण हेतू आर्थिक सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय वैष्णव युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम वैष्णव , राम गोपाल वैष्णव गुलगाव, मालपुरा विधायक प्रतिनिधि रेणु चौधरी थे। वहीं विशिष्ठ अतिथि अखिल भारतीय वैष्णव वैष्णव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर वैष्णव हरिद्वार , ठेकेदार एंव भामाशाह रामस्वरूप वैष्णव (थल वाले) किशनगढ़ एवं संत महात्माजन थे। कार्यक्रम मे जल समिति अध्यक्ष महावीर वैष्णव कुम्हारिया, गिरिराज वैष्णव,महावीर देवगांव, शंकर मालपुरा, बनवारी मालपुरा, धानेश्वर समिति से आशाराम वैष्णव पूर्व सरपंच, जगदीश कुरथल ,सहित पूरी टीम, केकडी छात्रावास समिति से अध्यक्ष सीताराम वैष्णव डाबर, बजरग दास वैष्णव बडला, मेजर सत्यनारायण वैष्णव, परमेश्वर वैष्णव अरनिया, बृजकिशोर वैष्णव व वैष्णव मीडिया ग्रूप के रामकिशन वैष्णव पत्रकार बिजयनगर , रामजी लाल वैष्णव सम्पादक जयपुर, महेश वैष्णव भीलवाड़ा संपादक, परमेश्वर टीलावत, गणेश वैष्णव केकडी, मुकेश वैष्णव देरांठू (नसीराबाद), महेश वैष्णव भीलवाड़ा, राजस्थान धड़कन के प्रधान

संपादक बब्रभान वैष्णव , दिनेश वैष्णव केकडी, नवल किशोर वैष्णव कोटड़ी, शिवराज वैष्णव गुलाबपुरा,अमर वैष्णव सरेरी सहित कई पत्रकारगण मोजूद थे। सभी पत्रकारों का डिग्गी समिति की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष महेश वैष्णव, पुजारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बलवन्त वैष्णव राजसमंद, बंकट वैष्णव , नानूराम, लक्ष्मण वैष्णव लवादर, तथा मातृ शक्ति से श्री मति चान्दा देवी वैष्णव किशनगढ़ , कौशल्या देवी वैष्णव किशनगढ़, महिला अध्यक्ष मंजू देवी वैष्णब जयपुर, वैष्णव ब्राह्मण सेवा समिति के जिला अध्यक्ष रामस्वरूप वैष्णव सराधना, सन्तोष वैष्णव जयपुर, धर्मशाला समिति अध्यक्ष हनुमान वैष्णव इन्दौली, कोषाध्यक्ष किशन वैष्णव , सचिव सीताराम वैष्णव धौली, कार्यक्रम अध्यक्ष केदार वैष्णव डारडा हिन्द, स्वागत अध्यक्ष ओमप्रकाश वैष्णव भासु, जगदीश वैष्णव कुहाड़ा सहित शाहपुरा सेवा समिति, नसीराबाद समिति, धानेश्वर समिति, अजमेर समिति, केकडी समिति, सहित वैष्णव समाज के सैकड़ों गणमान्यजन समाज बन्धु व जनप्रतिनिधि कार्यक्रम मे मौजूद थे।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
महोत्सव 24 नवम्बर से
28 नवम्बर 2022

महामस्तकाभिषेक
महोत्सव 27 नवम्बर से
04 दिसम्बर 2022

दिगम्बर जैन आतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव-2022

24 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022 तक

पावन सानिध्यः वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108 वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

स्थानः दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्री महावीरजी, जिला करौली (राज.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक	:	25-11-2022	वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
दिनांक	:	26-11-2022	श्री रूपेश जैन एण्ड पार्टी
दिनांक	:	27-11-2022	रंगशाला नाट्य अकादमी, इंदौर
दिनांक	:	28-11-2022	डॉ. गौरव सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर
दिनांक	:	29-11-2022	पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान
दिनांक	:	30-11-2022	वीणा कैसेट्स, जयपुर
दिनांक	:	01-12-2022	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन
दिनांक	:	02-12-2022	श्री दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर (जयपुर)
दिनांक	:	03-12-2022	सम्मान समारोह
दिनांक	:	04-12-2022	भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन

प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल अध्यक्ष	शांतिकुमार जैन उपाअध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी मानद मंत्री
सुभाषचन्द जैन संयुक्त मंत्री	उमरावमल संघी संयुक्त मंत्री	विवेक काला कोषाध्यक्ष

सदस्यगण :- सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंम्बई (शिखरचन्द पहाडिया), पूनमचन्द शाह, डॉ. कमलचन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सौगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड़जात्या, नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी. पी. जैन, डॉ. पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रूपिन के. काला, सुरेश सबलावत

गंदे कोलेस्ट्रॉल को जड़ से साफ करने के लिए कौनसी चीज खाना चाहिए?

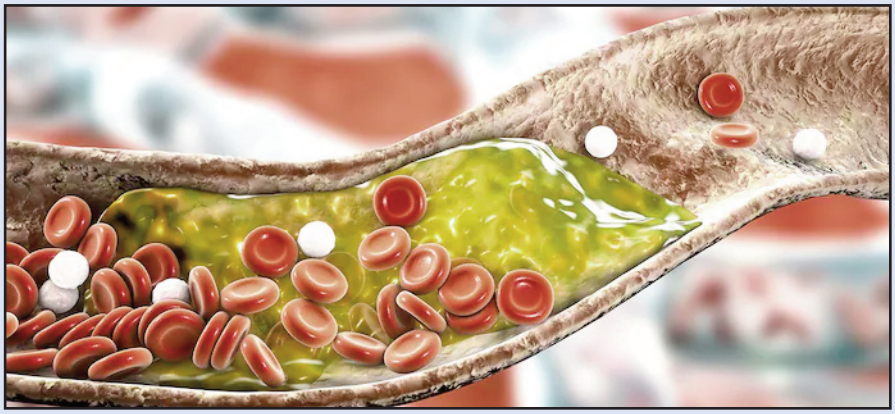

शाबाश इंडिया

गंदा कोलेस्ट्रॉल अर्थात एलडीएल, इसको जड़ से साफ नहीं करना है, हमारे रक्त में उसका होना अत्यावश्यक है, परंतु उसकी मात्रा सीमित होना चाहिए। अगर आपका बुरा कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया है तो दालचीनी की लकड़ी को सुबह-सुबह चबाए। ध्यान रहे आप सुबह बिना कुल्ला किए यह करें। आपको जानकर हैरानी होगी की हमारे मुँह में सुबह इकट्ठा होने वाली लार, बहुत ही काम की औषधि है, आपको सुबह-सुबह उसी लार में दालचीनी की लकड़ी को चबा-चबाकर खाना चाहिए और इसकी जांच भी कम से कम 12 घंटे खाली पेट रहकर ही करवाएं अर्थात अगर आप सुबह 8 बजे ब्लड सैम्पल देना चाहते हैं तो पिछली रात 8 बजे से दूध,चाय या किसी भी प्रकार का खाना ना खाएं। दालचीनी, Aspirin, atorvastatin का घरेलू सबस्टीट्यूट है । हमारे रसोईघर में लगभग हर प्रकार की बीमारी की रोकथाम एवं इलाज की चीजे मसाले और अन्न सब्जियों के रूप में उपलब्ध है, पर हमे तो अंग्रेजी दवाई खा के ही बीमार होना है ,साथ ही यदि हम अपनी पाचन शक्ति को सही रखते हैं तो हमारा कोलेस्ट्रॉल सही रहेगा। खान-पान को सही रहे यह निर्भर करता है आपकी पाचन क्रिया की मजबूती और स्वस्थ पर, अगर आपकी पाचन क्रिया अच्छी है इसका मतलब आप स्वस्थ के धनी है क्योंकि लगभग ज्यादातर समस्याएं पेट से शुरू होती हैं। इसलिये पाचन क्रिया को स्वस्थ और मजबूत बनाने के बेहतरीन उपाय करें।

पाचन क्रिया को सही रखने के उपाय

★ केला आपकी आँतो को स्वस्थ रखने में,हृदय की गती बनाएं रखने वाले पोषक तत्व प्रदान करने और आंखों के स्वास्थ्य हेतु जरुरी विटामिन देने में मदद करते हैं।

★ चाय-कॉफी शरीर में एसिड को बढ़ाते है,इनके सेवन से पहले पानी का सेवन करने से नुकसान को कम करता है।

★ पाचन तंत्र के स्वास्थ्य के लिए फलों का रस पीना,फलों को काटकर खाने से कम फायदेमंद होता है,क्योंकि जूस में रेशे की मात्रा कम होती है और छिलका बिल्कुल नही होता।

★ हल्का गर्म(गुनगुना) और नींबू का शरबत पीना आपके शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है,यह पाचन तंत्र को साफ करने और अपच तथा कब्ज जैसी समस्याओ से निजाज दिलाने में मदद करता है।

★ दही आपके खराब पेट के लिए सबसे बढ़िया आहार होता है। दही पेट को ठंडक देने वाला होता है। पेट को मरोड़ से आराम दिलाता है तथा स्वस्थ रखने में भी सहायक होता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

★ अदरक सभी प्रकार की पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने का आसान घरेलू उपचार है।यह खाना पचाने के लिए आवश्यक पाचक तत्वो और एंजाइम के प्रवाह को उत्प्रेरित करती है।

★ अनानास पाचन को सुधारता है,रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाता है,वजन कम करने में मदद करता है,सूजन कम करता है,मुँह का स्वास्थ्य ठीक करता है,दृष्टि बढ़ाता है,हड़डिया मजबूत करता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है।

★ काली मिच पाचन सुधारने,भूख बढ़ाने,पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में प्रयोग की जाती है। ये पेट और आँतो की गैस को भी दूर करती है।

★ खाना निगलने के पहले खूब चबा चबा कर खाएं, इससे मुँह शक्तिशाली पाचन रस उत्पन्न करता है।

इन सभी उपायों से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा सीमित रहती है,आप कभी भी बीमार नहीं पड़ेंगे।

बड़ागांव त्रिलोकतीर्थ में गुरु मन्दिर एवं चरण प्रतिष्ठा सम्पन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

बड़ागांव बागपत। अतिशय क्षेत्र बड़ागांव में विद्याभूषण सन्मतिसागर गुरूमन्दिर प्रतिष्ठा, उत्तर भारत के प्रथम दिगम्बराचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के समस्त पट्टाचार्यों की चरण स्थापना एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री, बागपत सांसद सत्यपाल सिंह ने पूज्य गुरुदेव को नमन करते हुए कहा कि त्रिलोकतीर्थ धाम भारत ही नहीं विश्व की एक अनुपम कृति है। त्रिलोकतीर्थ के दर्शन करने के वाद हमें अपने विकारों को भूल जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि राजकमल जी (जिलाधीश बागपत) ने कहा कि मैं इस पावन तीर्थ के प्रणेता पूज्य विद्याभूषण जी को कृति के निर्माण के लिए नमन करता हूं। समारोह का शुभारंभ सुशील विनोद बड़ौत के द्वारा किये गए ध्वजारोहण से हुआ। गुरु मन्दिर के शिखर पर ध्वजा स्व. अजय जैन सीए की धर्मपत्नी अरुणा जैन को, कलश स्थापना सतेंद्र जैन बुढ़ाना, प्रथम आरती दिलीप जैन, गुरुचरणों का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य अनिल जैन विकासपुरी, जितेंद्र जैन लक्ष्मीनगर को प्राप्त हुआ। चित्र अनावरण गोकुलचंद जैन दिल्ली, नागेंद्र गोयल नोयडा, सुशील जैन इटावा, दिलीप जैन जयपुर ने किया। दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह (सांसद बागपत) ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री महावीरजी सहस्त्राब्दी समारोह की भूली बिसरी यादें

भगवान महावीर सहस्त्राब्दी समारोह के अवसर पर 1 फरवरी 1998 को श्री महावीर जी के इतिहास में पहली बार भगवान की रथ यात्रा कटले के दरवाजे से निकल कर पश्चिम दिशा की तरफ गई थी।

1फरवरी 1998को प्रारम्भ हुए सहस्त्राब्दी समारोह के प्रारम्भ में निकाली गई रथयात्रा। स्वर्ण रथ पर भगवान महावीर की भव्य प्रतिमा बिराजमान है। रथयात्रा श्रीमहावीरजी जी के 400साल के इतिहास में पहली बार गम्भीर नदी के पार बने पाण्डाल पर पहूंची थी।

शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी राजस्थान के करौली जिले के हिंडौन उपखंड में गंभीर नदी के तट पर स्थित है यहां भूगर्भ से प्रगट भगवान महावीर की बहुत ही अतिशय कारी प्रतिमा है। सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 विद्यानंद जी मुनिराज सन 1991 में जब महावीर जी पधारे तब उन्होंने अपने प्रवचन में यह भाव व्यक्त किए थे कि दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी जो लगभग 400 वर्षों से विश्व के कोने-कोने में तीर्थंकर भगवान महावीर के संदेशों को पहुंचाने में प्रभावी कार्य कर रहा है और जो देश के धमार्नुयायियों को एकता व अखंडता के सूत्र में निर्बाध रूप से बांधे हुए हैं। तीर्थंकर भगवान महावीर की अतिशय कारी प्रतिमा का अखिल भारतीय स्तर पर कोई ऐसा भव्य समारोह आयोजित किया जाना चाहिए जो आगे आने वाले शताब्दियों तक श्रमण संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखें। आचार्य श्री के इस उद्बबोधन को क्षेत्र कमेटी ने गंभीरता से लेते हुए इस प्रतिमा के निर्माण काल की जानकारी के लिए विशेषज्ञों की राय जानना चाहा और इसी क्रम में आरकेलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डायरेक्टर जनरल डॉक्टर एम .सी. जोशी ने पूर्ण वैज्ञानिक ढंग से जांच करने के उपरांत भगवान महावीर की अतिशय कारी प्रतिमा को 11वीं शताब्दी का होना बताया ऐसा प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर आचार्य श्री 108 विद्यानंद जी मुनिराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद प्राप्त कर प्रबंध कारणी कमेटी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी ने भगवान की मूलनायक प्रतिमा का सहस्त्राब्दी समारोह 1 फरवरी से 8 फरवरी 1998 तक विशाल स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डॉक्टर मुनीष जोशी ने इस बात के लिए भी कमेटी को सावचेत किया कि सेंड स्टोन से निर्मित यह प्रतिमा 1000 वर्ष प्राचीन है और इसकी सुरक्षा के हित में इसका अभिषेक करना निश्चित रूप से बंद करना चाहिए । इसी

हीरा चन्द बैद
एस-21, सरदार भवन, मंगल मार्ग,
बापू नगर, जयपुर।
मोबाइल नं. 9828164556

संदर्भ में सहस्त्राब्दी समारोह में अंतिम बार भगवान महावीर की मूलनायक प्रतिमा के1008कलशों से अभिषेक करने के पश्चात नित्य अभिषेक बंद कर दिए गए यही कारण रहा की सहस्त्राब्दी समारोह में भगवान महावीर की प्रतिमा के अभिषेक के लिए होड़ मच गई राजस्थान ही नहीं देश के कोने कोने से एवं विदेशों से भी श्रद्धालु इस समारोह में अभिषेक करने की भावना के साथ श्री महावीरजी आये थे इसके लिए 250 बीघा भूमि पर विभिन्न आकार के टेंटों का वैशाली जनपद के नाम से अस्थाई नगर बसाया गया था । 8 दिवसीय समारोह में अनुमान के अनुसार श्रद्धालुओं की संख्या कम ही रही थी। श्रीमहावीरजी के इतिहास में पहला अवसर था जब भगवान महावीर स्वामी की रथयात्रा कटले के दरवाजे से निकल कर पश्चिम दिशा यानी औषधालय की तरफ से गम्भीर नदी के पुल पर होती हुई नदी के पार मेला स्थल तक गयी थी। महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा जी के 1008 कलशों से सीमित जल से अभिषेक किये गये थे। तब के बाद अब महामस्तकाभिषेक समारोह में मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के अभिषेक करने का स्वर्णिम अवसर आया है। हिण्डोन के पास जमीन की खुदाई में प्राप्त तीन फुट ऊंची विमलनाथ भगवान एवं पुष्पदंत भगवान की प्रतिमाओं का शुद्धीकरण हुआ था। ये प्रतिमाएं मुख्य मन्दिर परिसर में प्रवेश करते ही दायें व बाएं तरफ आमने - सामने स्थापित है।

ध्यान केन्द्र का उद्घाटन:

मुख्य मन्दिर के नीचे बर्तन भण्डार के रूप में उपयोग मे ले रहे स्टोर को जब गौर से देखा गया तो वहां लाल पाषाण के पूर्व में निर्मित मन्दिर की जानकारी हुई , उसी स्थान पर आधुनिक साज सज्जा के साथ निर्मित ध्यान केन्द्र का उद्घाटन भी इस समारोह में हुआ था। उद्घाटन की श्रृंखला में ही 2000 यात्रियों के एक साथ ठहरने की क्षमता वाले यात्री निवास एवं 400 व्यक्तियों के एक साथ बैठकर भोजन करने की क्षमता वाले भोजनालय का भी उद्घाटन हुआ था। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत अनिता जैन - दिल्ली, कनक प्रभा हाडा - जयपुर, अनूप जलोटा -मुम्बई के भजनों का कार्यक्रम एवं कत्थक नृत्यांगना प्रैरणा श्रीमाली, एवं लीला सेमसन के शास्त्रीय एवं कत्थक नृत्य के कार्यक्रम एवं गीतकार, संगीतकार एवं गायक रविन्द्र जैन - मुम्बई के के कार्यक्रम के अलावा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देशभर से आए लगभग एक दर्जन से अधिक कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

प्रदर्शनी: 10 बीघा भूमि पर चांदनपुर के महावीर, शाकाहार, जैन पुस्तक मेला एवं राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थाई बाजार भी लगाया गया था। इन सभी के अलावा अखिल भारतीय स्तर पर महिला सम्मेलन, प्रतिभा स्नेह गोष्ठी, विभिन्न पुरस्कारों का वितरण समारोह, सम्मान समारोह भी आयोजित किए गए थे।

भगवान महावीर सहस्त्राब्दी समारोह के समय वर्ष 1998 में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के निम्न पदाधिकारी थे:- अध्यक्षः श्री नरेश कुमार सेठी, उपाध्यक्षःश्री विजय चन्द जैन, श्री भंवरलाल अजमेरा, संयुक्त मंत्रीः श्री बलभद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्षः श्री नानगराम जैन। कार्यकारिणी सदस्यः श्री सुभद्र कुमार पाटनी, ज्ञान चन्द खिन्दूका, श्री रामचन्द्र कासलीवाल, श्री जमनादास जैन, श्री तेजकरण डण्डिया, डा. गोपी चन्द पाटनी, श्री राजकुमार काला, श्री पदम चन्द तोतूका, श्री सूरजमल बैद,साहू अशोक कुमार जैन, श्री तारा चन्द जैन, श्री नवीन कुमार बज, श्री हरक चन्द सरावगी, श्री कैलाश चन्द कासलीवाल, श्री मिलाप चन्द जैन, श्री पूनमचंद शाह, श्री प्रकाश चन्द जैन, श्री महेन्द्र कुमार पाटनी, श्री कमल चन्द सौगानी,श्री नरेन्द्र कुमार जैन, श्री ललित कुमार जैन, डा. हुक्म चन्द सेठी, श्री हेमन्त सोगानी।

भाजपा मुरलीपुरा मंडल अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा मुरलीपुरा मंडल अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा मुरलीपुरा मंडल के द्वारा शुभकामनाये दी गई। इस अवसर पर भाजपा मुरलीपुरा मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा - ममता शर्मा, महामंत्री प्रीति, कोषाध्यक्ष रेखा जैन, मीडिया प्रभारी कविता गंगवानी, निशा जैन, ज्योति एवं अन्य महिलाओं के साथ साथ मुरलीपुरा वार्ड संयोजक एडवोकेट मनोज कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

जरूरतमंद 150 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

राजकीय कनोई बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजानगढ़ में सुजलांचल विकास मंच समिति की प्रेरणा से प्राथमिक शिक्षा के जरूरतमंद 150 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई। नगर परिषद अध्यक्षा नीलोफर गोरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में गुवाहाटी / बैंगलोर प्रवासी लहर जैन के जन्मदिन पर उनके माता-पिता संदीप व पिंकी सेठी की प्रेरणा से भामाशाह ओम प्रकाश एवं प्रभादेवी सेठी के सौजन्य द्वारा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस पुनीत प्रकल्प में मुख्य अतिथि गोपालपुरा सरपंच श्रीमती सविता राठी एवं विशिष्ट अतिथि निर्मला तोदी ,दिगम्बर जैन समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा मंचासीन थे। मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित मंच द्वारा किया गया। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने समिति के प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी।अध्यक्ष उषा बगड़ा ने निकट भविष्य में 500 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करने एवं चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने की रूपरेखा के बारे में बताया।

कच्छवासी श्रावक 2025 के मर्यादा महोत्सव करवाने के लिए संकल्पित हुए

भुज में कच्छस्तरीय विशेष संगोष्ठी का आयोजन

भुज. शाबाश इंडिया

युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार जी की प्रेरणा से भुज महाप्रज्ञ नगर में कच्छ तेरापंथी क्षेत्रिय विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुनिश्री पुलकित कुमारजी के साथ मुनि निकुंज कुमारजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता बाबूलाल सिंघवी ने की। कच्छ क्षेत्र से महासभा सदस्य शांतिलाल जैन, कीर्तिभाई संघवी, नरेंद्रभाई मेहता आदि ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आगामी संभावित गुरुवर के विस्तृत प्रवास को सफल बनाने हेतु विचार रखें। तेरापंथी सभा भुज के अध्यक्ष वाडीलालभाई मेहता ने आगंतुक सभी का स्वागत किया। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कच्छ से समागत सभी कार्यकताओं को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा पूज्य प्रवर ने कच्छवासियों पर महती कृपा कर विस्तृत प्रवास की घोषणा की है उसे सफलतम कैसे बनाएं इसके लिए सभी कार्यकताओं को अभी से तैयार होना है। गुजरात की धरती पर कभी तेरापंथ का मयार्दा महोत्सव नहीं हुआ है वह इतिहास आप कच्छवासी बना सकते है। सन 2025 का मर्यादा महोत्सव कच्छ में हो यह अर्जी जल्दी से जल्दी आप गुरुवर के चरणों में लगाए। हम तो गुरुदेव के निर्देशानुसार अब महाराष्ट्र की तरफ विहार कर रहे हैं। मुनि निकुंज कुमारजी ने कहा गुरुवर के चरणों में हम आध्यात्मिक भेंट किस रूप में चढ़ा सकते हैं यह संकल्प स्वीकार करे, मुनिश्री के विहार की मंगल कामना करता हूं। लगभग 3 घंटे चली संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं के महत्वपूर्ण सुझावों के साथ विचार मंथन चला। अंत में मुनिश्री से प्राप्त प्रेरणा की क्रियान्विति करते हुए सर्वसम्मति से यही निर्णय लिया गया कि कच्छवासी सन 2025 के मयार्दा महोत्सव से लेकर होली चौमासा, महावीर जयंती, अक्षय तृतीया, पटोत्सव, जन्मोत्सव तक के सभी कार्यक्रम कच्छ में करवाने की अर्जी लेकर जल्द ही गुरुवर के चरणों में पहुंचेंगे।

संगिनी जे एस जी मैन द्वारा दीपोत्सव एवं बाल दिवस का आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जे एस जी मैन द्वारा दीपोत्सव एवं बाल दिवस का आयोजन, विज्ञान समिति सभागार में किया गया। नमस्कार महामंत्र से शुभारम्भ कार्यक्रम मे भगवान महावीर व महालक्ष्मी जी की तस्वीर पर माला पहना कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती शशिकांता कंठालिया, शशी जैन व प्रभा जैन द्वारा लक्ष्मी जी की आरती से आगाज किया गया। फेडरेशन सूत्र का वाचन पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी कोठारी द्वारा किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में ग्रुप अध्यक्षा उर्मिला शिशोदिया ने बेठक मे पधारी सभी संगिनी बहनों का दीपावली व बाल दिवस पर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर दीपावली का सरप्राइज गिफ्ट दिया गया। ग्रुप की बहनों ने अपने अनोखे अन्दाज मे डांस व बाल दिवस पर गीत तो किसी ने बॉलीवुड थीम पर प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। संयोजको द्वारा सुंदर रंगोली बनाई गई। लाइट व दीपक सजाकर हॉल में दीपावली सा माहौल बना दिया। सभी बहने रानी कलर की सुंदर सुहानी -साड़ियां ,लहंगा चुन्नी में बहुत सुंदर लग रही थी। अंत में सचिव डॉ प्रमिला जैन ने सभी का आभार प्रदर्शन कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की ।